भाग-3

हैरतसराय की कहानियां

उर्दू से हिंदी अनुवाद-

डॉ. फ़ातिमा ज़ेहरा

डॉ. ग़ुलाम फ़रीद साबरी

हैरतसराय की कहानियाँ

(इंटरनेट कहानियाँ)

अंग्रेज़ी से उर्दू अनुवाद

प्रो. अतहर सिद्दीक़ी

उर्दू से हिंदी अनुवाद

डॉ. फ़ातिमा ज़ेहरा

डॉ. गुलाम फ़रीद साबरी

प्रकाशक

इब्न-ए-सिना अकादमी

अलीगढ़-202002

हैरतसराय की कहानियाँ
(इंटरनेट कहानियाँ)

अनुवाद : अंग्रेज़ी से उर्दू

प्रो. अतहर सिद्दीक़ी

अनुवाद : उर्दू से हिंदी

डॉ. फ़ातिमा ज़ेहरा

डॉ. गुलाम फ़रीद साबरी

पता : जोहरा बाग़, सिविल लाइन, अलीगढ़-202002

मोबाइल : 09319478925

E-mail : gfsabri@gmail.com

वर्ष : 2013

प्रकाशक : इब्न-ए-सिना अकादमी, अलीगढ़-202002

मुद्रक : लिथो कलर प्रिंटर्स, अलीगढ़

कम्प्यूटर कम्पोजिंग : बिशारत अली, केला नगर, अलीगढ़

प्रतियाँ : 500 (पाँच सौ)

मूल्य : 225/- रुपये

मिलने का पता : सर सैय्यद बुक हाउस, शमशाद मार्केट, अलीगढ़, मोबा. 8755547603/ अलीगढ़ बुक सेलर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, चैंपियन मार्केट, अलीगढ़, मोबा. 9927006558

स्व. प्रोफ़ेसर शहरयार

प्रोफ़ेसर अबुल कलाम क़ासिमी

को सादर समर्पित

ये जगह हैरतसराय है, कहाँ थी ये ख़बर,
यूँ ही निकला था मैं
तो सैर करने के लिए।

बेहतर ज़िन्दगी के चंद ज़र्री उसूल 152

ज़िन्दगी क्या है? 155

उस्ताद क्या बनाते हैं? 156

हाथ न छोड़ियेगा 157

वालिद का तोहफा 158

ख़्वाब 159

हफ़्ते में एक बार पढ़िए 161

कसौटी 163

ताऊ फ़लसफ़ा-ए-माफ़ी 164

आपका मज़हब अहम नहीं है 166

मत कीजिये 168

एक बच्चे की दुआ 169

सुर्ख गुलाब और दूसरे दरख़्त 169

पाँच और मिनी कहानियाँ 171

एक मोजिज़ा 173

ख़ुशी मिलती है देने से 175

अक्लमंद ख़ुशइलहान परिंदा 176

इसे कहते हैं इन्तक़ाम लेना 177

क़द्रशनासी की कहानी 178

रद्दे अमल अहम है 180

एक माँ की क़ुर्बानी 181

एक हैरतंगेज़ कहानी 182

चंद और मानीखेज जुमले 184

मैं समझता हूँ 185

एक वियतनामी मुहाजिर का ख़त 187

हर साल वो गुलाब भेजता था 191

क़यास आराई 193

* * *

बेहतर ज़िंदगी के चंद ज़र्री उसूल

(1) भरोसा

आपसी ताल्लुकात और रिश्तों की बुनियाद है भरोसा और एतिमाद जो एक बहुत ही अहम किरदार अदा करता है। अगर भरोसा टूट जाये तो रिश्तों के ख़ात्मे का सबब बन जाता है। भरोसे की कमी शक पैदा करती है, शक से तहरीक मिलती है ग़ुस्से को, ग़ुस्सा सबब बनता है दुश्मनी का और दुश्मनी का अंजाम है अलैदहगी। एक टेलीफोन ऑप्रेटर ने बताया कि एक दिन उसे एक फोन कॉल आई, उसने जवाब दिया पब्लिक यूटीलिटी बोर्ड, दूसरी तरफ़ ख़ामोशी थी। उसने दोहराया पीयू बी फिर भी कोई जवाब नहीं मिला। जब वो लाईन काटने ही वाली थी, उसने किसी औरत की आवाज़ सुनीः ओह ये पीयू बी है, माफ़ कीजिये, मुझे ये नंबर मेरे शौहर की जेब से मिला था लेकिन मुझे ये नहीं मालूम था कि ये किस का नंबर है।

सोचे बग़ैर आपसी भरोसा या एतिमाद के इस जोड़े के साथ क्या पेश आता अगर टेलीफोन ऑप्रेटर सिर्फ़ हैलो कहती बजाय पीयू बी कहने के।

(2.) किसी पर उंगली ना उठायें।

एक शख़्स ने अपने ससुर से कहाः

बहुत लोग आपकी कामयाब शादीशुदा ज़िंदगी की तारीफ़ करते हैं। क्या आप मुझसे अपने इस राज़ को शेयर करना पसंद करेंगी। मेरे ससुर ने एक मुस्कुराहट के साथ जवाब दियाः

अपनी बीवी को किसी कोताही या कमी पर या जब वो कोई बात ग़लत कर बैठे तो कोई तन्क़ीद ना करो। हमेशा ये याद रखो कि अपनी इसी कोताही या कमज़ोरी की वजह से वो तुमसे बेहतर शौहर नहीं पा सकी। हम सब इज़्ज़त और मुहब्बत पाने की ख़्वाहिश रखते है। बहुत से लोग शर्मिंदा होने से डरते हैं। आमतौर से जब एक शख़्स कोई ग़लती करता है तो वो किसी दूसरे पर थोपने की कोशिश करता है या किसी बहाने की तलाश करता हैं यही शुरूआत होती है लड़ाई या झगड़े की। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि जब हम किसी पर एक उंगली उठाते हैं तो बाकी चार उंगलियाँ हमारी ही तरफ़ या मुड़ी होती हैं। अगर हम दूसरों को माफ कर दें तो दूसरे हमारी ग़लती को दरगुज़र करेंगे।

(3.) मुकम्मल रिश्ते बनाना?

एक शख़्स गर्वनमैंट के एक शादी कराने वाले शख़्स के पास गया और दरख़ास्त की कि वो एक रफ़ीक़-ए-हयात की तलाश में है। मेहरबानी से एक मुनासिब रिश्ता तलाश करने में मेरी मदद कीजिए।

दफ़्तर के अफ़सर ने कहा आप मेहरबानी से अपनी ज़रूरीयात बयान कीजिये। ओह, ख़ुश शक्ल, मेहरबान, तालीम-ए-याफ़्ता, गाना और नाचना जानने के अलावा, हिस्स-ए-मज़ाह रखती हो। अगर मैं अपने फालतू वक़्त में घर पर रहूँ और बाहर ना जाऊँ